

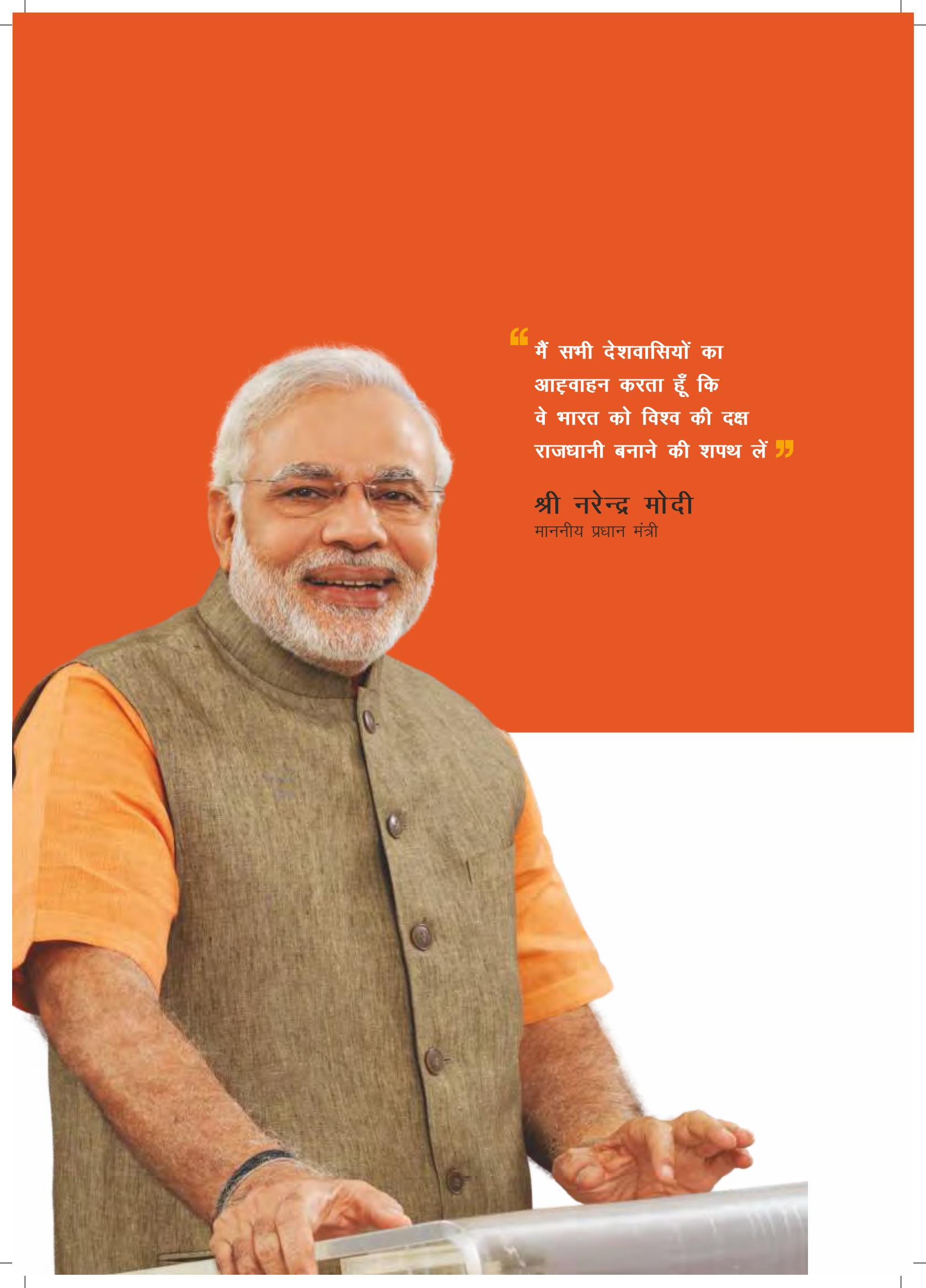
# PMKVY

PRADHAN MANTRI KAUSHAL VIKAS YOJANA

2016 - 2020

कौशल भारत  
सशक्ति भारत



A portrait of Prime Minister Narendra Modi. He is wearing a grey Nehru jacket over an orange t-shirt. He has a white beard and is smiling. He is standing against a solid orange background.

“ मैं सभी देशवासियों का  
आह्वाहन करता हूँ कि  
वे भारत को विश्व की दक्ष  
राजधानी बनाने की शपथ लें ॥ ”

श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधान मंत्री

## संक्षेप

प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) ने पूरे भारत के करोड़ों लोगों तक सफलतापूर्वक पहुंच स्थापित की है। यह पुस्तक वर्ष, 2016 में शुरू किए गए सफर तथा विगत दो से भी कम वर्षों में इस योजना द्वारा अर्जित सफलता तथा अभूतपूर्व नवीन प्रगतियों का प्रतिबिंब है। पीएमकेवीवाई ने एक समावेशी और सतत अर्थव्यवस्था के लिए एक दक्ष कार्यबल का निर्माण करने के लक्ष्य के साथ पूरे राष्ट्र की विविध आबादी की आवश्यकताओं पर अत्यंत सावधानीपूर्वक ध्यान दिया है।

## विषय—वस्तु

सिंहावलोकन	01
योजना के घटक	01
योजना की मुख्य विशेषताएं	03
समावेशन हेतु कौशलता	11
शिक्षण संसाधन और प्रौद्योगिकी	12
पीएमकेवीवाई के अंतर्गत नवीन प्रचलनों की एक झलक	14
कौशल विकास परियोजनाएं	16
सरकारी परियोजनाएं	17
गैर—सरकारी संगठनों के साथ कौशल प्रशिक्षण	20
विशेष परियोजनाएं	26
पूर्वोत्तर के लिए विशेष परियोजनाएं	29
शब्द कोश	30





## सिंहावलोकन

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार की एक अग्रणी परिणामोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण योजना है। इस कौशल प्रमाणन और पुरस्कार योजना का उद्देश्य बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं की दक्षता प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु समर्थ बनाना तथा जुटाना है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें और अपनी आजीविका का अर्जन कर सकें।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 20 मार्च, 2015 को भारत की सबसे बड़ी कौशल प्रमाणन योजना—प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को स्वीकृति प्रदान की थी। तदुपरांत विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इस योजना का शुभांरंभ किया गया था। इसके प्रथम वर्ष के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन की वजह से केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ देश के 10 करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु चार और वर्षों (2016–2020) के लिए इस योजना को अनुमोदन प्रदान किया। इस योजना को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एमएसडीसी)—एक सार्वजनिक निजी भागीदारी उद्यम के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

2016–2020 के लिए इस योजना को अनुमोदन प्रदान किया। इस योजना को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम एमएसडीसी—एक सार्वजनिक निजी भागीदारी उद्यम के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

पीएमकेवीवाई 2016–2020		
केंद्र द्वारा प्रायोजित सीएससीएम	केंद्र द्वारा प्रविधित सीएससीएम	
अल्पावधि प्रशिक्षण	आरपीएल	विशेष परियोजनाएं
प्रशिक्षण की समयावधि दर्दे	200-600 घंटे	12-80 घंटे
इनम् आधारित प्रशिक्षण बोर्डिंग और लोअिंग	कौशल प्रमाण पत्र संप्रेषण सहायता	अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के भारत में लेसमेंट सहायता नैकरी मिलों के बाद भी सहायता
		उच्चावधारों के 600 समयों का आधिक पुस्तकालय

## योजना के घटक

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षण और मूल्यांकन शुल्क का पूर्णतया सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है। प्रशिक्षण प्रदायकों को आम मानकों के अनुरूप धनराशि का भुगतान किया जाता है। इस योजना को निधियों और लक्ष्यों के 75:25 आबंटन के साथ केंद्र और राज्य स्तर पर कार्यान्वित किया जा रहा है।

इस योजना के निम्नलिखित तीन घटक हैं:—

**1. अल्पावधि प्रशिक्षण:** पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण केंद्रों में प्रदान किए जा रहे अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक से यह आशा की जाती है कि इससे भारतीय राष्ट्रीयता प्राप्त ऐसे अभ्यर्थियों को लाभ मिलेगा जिन्होंने अपनी स्कूली/कॉलेज की शिक्षा पूरी नहीं की है अथवा जो बेरोजगार हैं। राष्ट्रीय कौशल अर्हता मानदंड फ्रेमवर्क एनएसक्यूएफ के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा इन प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा छोटे—मोटे कौशल, उद्यमिता, वित्तीय और डिजीटल साक्षरता में भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदायकों द्वारा रोजगार प्राप्त करने (प्लेसमेंट) में सफलता प्रदान की जाती है।



ऑटोमैटिक तकनीकी सेवा में कौशल प्रशिक्षण

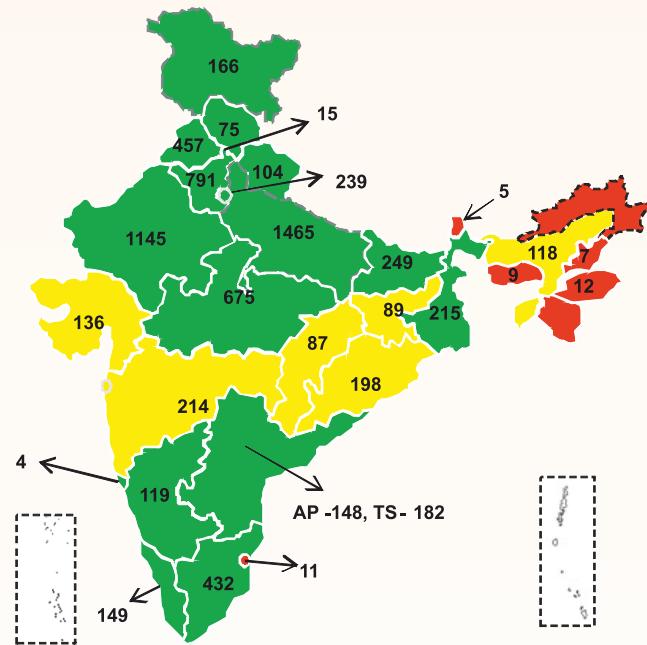
**2. पूर्वानुभव को महत्व देना:** पूर्व शिक्षण संबंधी अनुभव अथवा कौशल प्राप्त व्यक्तियों का मूल्यांकन किया जाता है और इस योजना के घटक पूर्व जानकारी को महत्व देना (आरपीएली) के तहत प्रमाणित किया जाता है। सेक्टर कौशल परिषद (एसएससी) अथवा (एमएसडीई/एमएसडीसी) द्वारा नामित किसी अन्य अभिकरण जैसी परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए) को तीन मॉडलों (आरपीएल शिविर, नियोक्ता के परिसर में आरपीएल तथा आरपीएल केंद्र) में से किसी भी एक में आरपीएल परियोजनाएं कार्यान्वित करने हेतु प्रोत्साहन दिया जा रहा है। ज्ञान संबंधी अंतराल को कम करने के लिए परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों पीआईए, आरपीएल अभ्यर्थियों के लिए साप्ट कौशल संबंधी प्रशिक्षण और कार्य संबंधी सुरक्षा एवं स्वच्छता कोर्स भी संचालित करती हैं।

**3. विशेष परियोजना:** पीएमकेवीवाई की विशेष परियोजना घटकों में एक ऐसे मंच के गठन की गई है जो विशेष क्षेत्रों और/अथवा सरकारी निकायों, निगमों अथवा औद्योगिक निकायों के परिसरों में प्रशिक्षण तथा उपलब्ध अर्हता पैक क्यूपी/राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों एनओएस के अंतर्गत अपरिभाषित विशेष कार्य-भूमिकाओं में प्रशिक्षण को सरल बनाएगा। विशेष परियोजना में किसी हितधारक के लिए पीएमकेवीवाई के अंतर्गत अल्पावधि प्रशिक्षण दिशानिर्देशों में कुछ परिवर्तन करने की अपेक्षा होती है। कोई भावी हितधारक केंद्र अथवा राज्य सरकार(सरकारों)/स्वायत्तशासी निकाय/सांविधिक निकाय अथवा अन्य कोई भी समकक्ष निकाय अथवा निगम हो सकता है जो अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने के इच्छुक हों।



असम में रबर प्लांट अभियोगों के लिए आरपीएल

### संपूर्ण भारत में सुलभता



प्रति राज्य निर्दिष्ट प्रशिक्षण केंद्रों टीसी की संख्या

- वर्ष 2020 तक एक करोड़ युवाओं को सत्यापित किया जाना।
- आबंटन बजट-12,000 करोड़ रुपए
- बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण क्षमता को सृजन करना-1.9 करोड़ वर्ग मीटर से ज्यादा प्रशिक्षण अवसंरचना
- 624 जिलों में अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, आरपीएल और विशेष परियोजनाओं के अंतर्गत 7800 से ज्यादा प्रशिक्षण केंद्र/पीआईए को 41 लाख से ज्यादा का लक्ष्य आबंटित किया गया-87 प्रतिशत से ज्यादा जिलों को कवर किया गया।
- विंगत वर्ष से प्रतिदिन लगभग 1,100 से ज्यादा अभ्यर्थियों को नौकरी दिलाई जा रही है।
- सरकारी अनुदानों के जरिए 1800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वित्तीय संवितरण

- > 70% जिले कवर किए गए
- 40-70% जिले कवर किए गए
- < 40% जिले कवर किए गए

(31 मार्च, 2018 तक)

## योजना की मुख्य विशेषताएं

माननीय प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने का विज़न रखा है। इस विज़न को हासिल करने तथा युवा आबादी के जनांकीय लाभांश के अधिकाधिक इस्तेमाल के लिए पीएमकेवीवाई ऐसी विशेषताओं से युक्त है जिनमें प्रौद्योगिकी और समुदाय संयोजन का प्रयोग किया जाता है, जिससे इस अग्रणी योजना का प्रभावी नियोजन और कार्यान्वयन सुनिश्चित होता है।

पीएमकेवीवाई की विशेषताएं यह सुनिश्चित करती हैं कि कौशलता समावेशी वृद्धि को प्रोत्साहन देती है और यह मेक इन इंडिया, डिजीटल इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना और प्रधानमंत्री बीमा योजना जैसी अन्य विभिन्न सरकारी पहलों तथा अग्रणी योजनाओं के साथ मिलकर काम करती है।

### 1. रोजगार दिलवाना (प्लेसमेंट)

देश की अर्थव्यवस्था प्रशिक्षित कार्यबल की कमी और बड़ी संख्या में कार्य संबंधी अल्प कौशल प्राप्त अथवा कौशल रहित युवाओं की रोजगार विहीनता की दोहरी चुनौती का सामना करती है इस कमी को पूरा करने के लिए पीएमकेवीवाई यह सुनिश्चित करने पर अत्यधिक जोर देता है कि उद्योग और नियोक्ताओं के सहयोग से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को रोजगार मिले। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्रों को अभ्यर्थियों को रोजगार दिलवाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है।

यद्यपि वर्ष 2015-16 के दौरान पीएमकेवीवाई का रोजगार संबंधी निष्पादन 2,52,223 अभ्यर्थी रहा है, तथापि वर्ष 2016-2020 के दौरान पीएमकेवीवाई के अंतर्गत रोजगार संबंधी घातांकीय वृद्धि रही है और इस योजना के एसटीटी घटक के अंतर्गत लगभग 4,38,963 अभ्यर्थियों को रोजगार दिलवाया गया (31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार) यह देखना अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि यह 6 लाख से ज्यादा ऐसे अभ्यर्थियों में से हैं जिन्हें एसटीटी के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है। रोजगार संबंधी निष्पादन पीएमकेवीवाई 1 में 19 प्रतिशत से पीएमकेवीवाई 2.0 (2016-2020) तक घातांकीय वृद्धि का साक्षी रहा है।

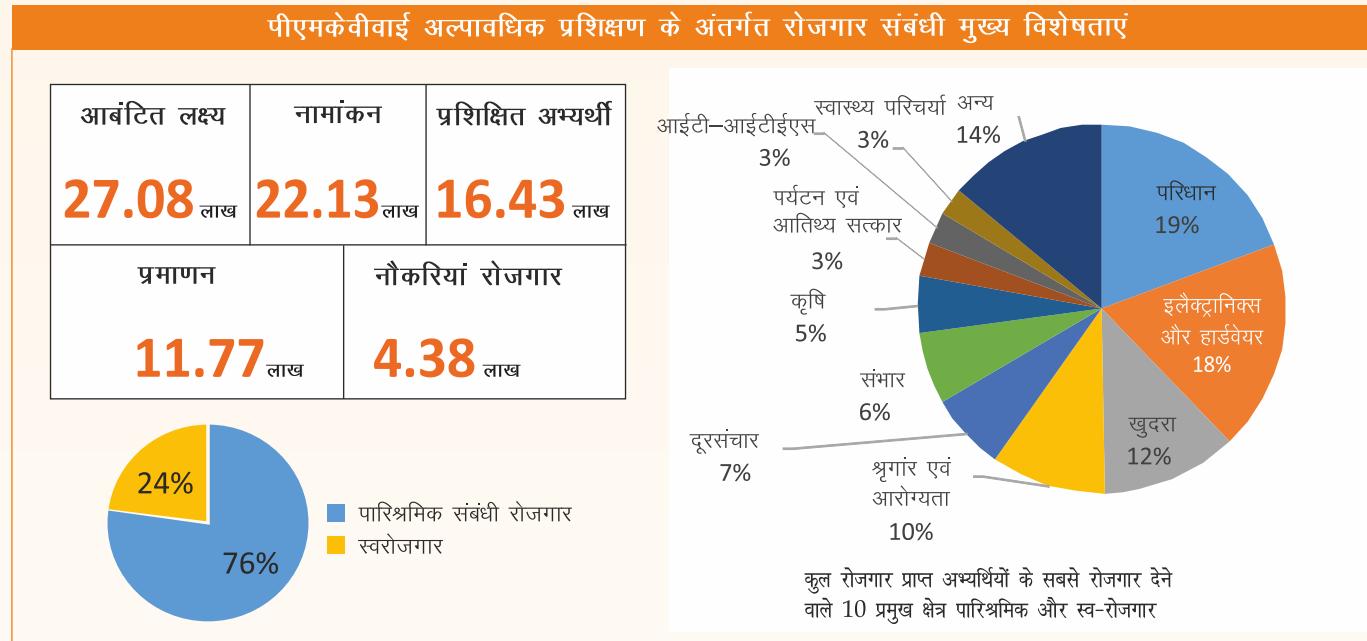
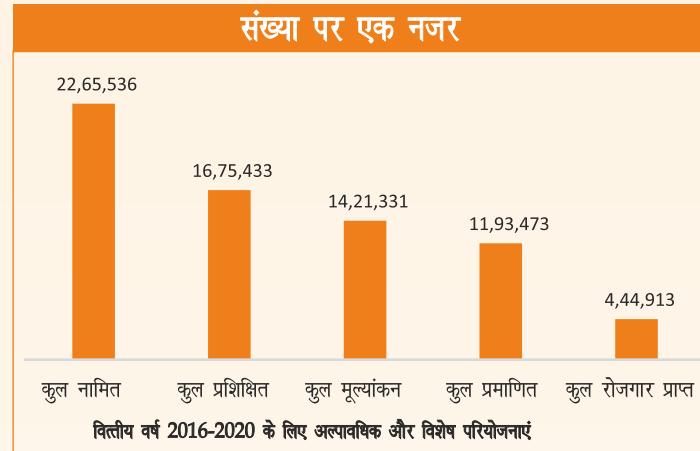


पानीपत में पीएमकेके में ओरियान  
एडुटेक द्वारा आयोजित रोजगार मेले के दौरान प्रमाण पत्र का वितरण



नई दिल्ली में पर्फटन एवं हॉस्पिटलिटी द्वारा आयोजित  
रोजगार मेले में महिला अभ्यर्थियों का रोजगार मिला है।

पीएमकेवीवाई 2016-2020 के अंतर्गत नौकरियों, रोजगार को पारिश्रमिक और स्व-रोजगार के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है। अब तक लगभग 76 प्रतिशत अभ्यर्थियों की नौकरी पारिश्रमिक संबंधी रोजगार में लगी हैं और 24 प्रतिशत ने स्व-रोजगार शुरू किया है। रोजगार देने वाले शीर्ष दस निष्पादन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, परिधान (वस्त्र), शृंगार और आरोग्यता, कृषि, खुदरा, संभार तंत्र, चमड़ा, दूरसंचार (टेलीकॉम), वस्त्र और हथकरघा तथा सुरक्षा (सिक्योरिटी) सेवाएं शामिल हैं।



(31 मार्च, 2018 तक)

इसके अतिरिक्त, पीएमकेवीवाई-2016-2020 उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की ओर भी अग्रसर है। स्व-रोजगार में रत अभ्यर्थियों को उद्यमी मित्र पोर्टल के जरिए मुद्रा ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और उनकी मदद की जाती है। आज की तारीख तक 10,000 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने ऐसे वित्तीय प्रावधानों के लिए आवेदन किया है। नेशनल कैरियर सर्विस पोर्टल (एनसीएसपी), रोजगार एक्सचेंज, एलएमआईएस, जॉब पोर्टलों, मॉडल कैरियर केंद्रों के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर एकीकरण किया जा रहा है ताकि मांग और आपूर्ति में संतुलन लाया जा सके।

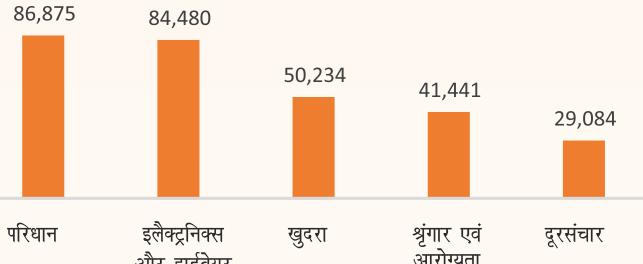


ठसके अतिरिक्त एमएसडीई के माध्यम से अन्य सभी मंत्रालयों को अनुदेश दिए गए हैं कि वे इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित किए जा रहे व्यक्तियों को भर्ती में प्राथमिकता दें। उद्योगों की उच्च कार्मिक शक्ति संबंधी अपेक्षाओं की प्रत्याशा में एनएसडीसी उद्योगों में प्रासंगिक रोजगारोन्मुखी भूमिकाओं में उच्चकोटि का प्रशिक्षण प्रदान करके एनएपीएस के प्रोत्साहन के जरिए इस स्कीम में रोजगार संबंधी निष्पादन में संवर्धन करने हेतु भरसक प्रयत्न कर रहा है। पीएमकेवीवाई उद्योगों की भागीदारी को बढ़ावा देने के चरम उद्देश्य से उद्योगों की वैद्यता के जरिए लगातार भावी-तत्पर पाठ्यक्रमों का विकास कर रहा है।

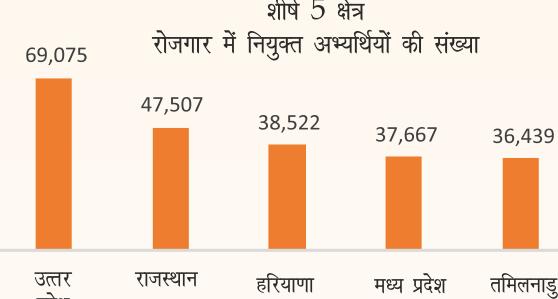
### लेसमेंट - क्षेत्र एवं राज्य

शीर्ष 5 क्षेत्र	रोजगार पर लगाए गए अध्यर्थी	शीर्ष 5 राज्य	रोजगार पर लगाए गए अध्यर्थी
परिधान	86,875	उत्तर प्रदेश	69,075
इलैक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	84,480	राजस्थान	47,507
खुदरा	50,234	हरियाणा	38,522
शृंगार एवं आरोग्यता	41,441	मध्य प्रदेश	37,667
दूरसंचार	29,084	तमिलनाडु	36,439

शीर्ष 5 क्षेत्र  
रोजगार में नियुक्त अध्यर्थियों की संख्या



शीर्ष 5 क्षेत्र  
रोजगार में नियुक्त अध्यर्थियों की संख्या



(31 मार्च, 2018 के अनुसार)

### पीएमकेवीवाई के अंतर्गत अग्रणी नियोक्ता



## 2. मानीटरिंग

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत मानीटरिंग का लक्ष्य विशेष रूप से प्रशिक्षण केंद्रों सहित सभी हितधारकों के निष्पादन का पता लगाना है ताकि पीएमकेवीवाई के संपूर्ण लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को हासिल किया जा सके तथा इस योजना के कार्य निष्पादन में उन्नयन हेतु सुधारात्मक उपाय किए जा सके।

प्रशिक्षणाधीन व्यक्तियों (टीपी) और अभ्यर्थियों को आईवीआर आधारित ओबीडी के जरिए तथा बड़ी संख्या में संदेश भेजकर अभ्यर्थियों को बुलाना आदि कुछ ऐसी पहलें हैं जो एमएसडीसी ने उन प्रशिक्षण केंद्रों का पता लगाने के लिए अपनाई है जो पीएमकेवीवाई के दिशानिर्देशों को अनुपालन नहीं करते हैं।

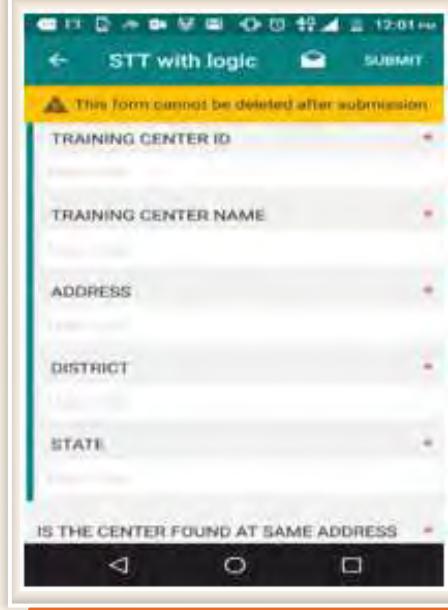
टावाजाही की मानीटरिंग में मदद करने, प्रशिक्षण केंद्रों की गुणवत्ता का पता लगाने तथा दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सेनपाइपर नामक एक मानीटरिंग ऐप तैयार किया गया है इस ऐप का इस्तेमाल मानीटरिंग दलों द्वारा अपनी निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने में तथा अपने दल में सूचना के आंतरिक आदान-प्रदान में किया जा सकता है। यह ऐप प्रशिक्षण केंद्रों की वास्तविक समय मानीटरिंग सुनिश्चित करने में भी सहायता प्रदान करती है। और इससे गति तथा पैमाने में वृद्धि हुई है एवं व्यक्ति परकता खत्म हुई है।

केंद्रीय स्तर पर दोषी केंद्रों के खिलाफ निर्णयों को मुख्य धारा में लाने की मंशा से एक आंतरिक मानीटरिंग समिति (आईएमसी) और पीएमकेवीवाई मानीटरिंग समिति का गठन किया गया है। आईएमसी के जरिए केंद्रीकृत निर्णय लेने से दोषी केंद्रों के खिलाफ मामलों पर कार्रवाई करने के लिए कार्यान्वयन समय में अत्यधिक सुधार हुआ है। इन समितियों से प्राप्त डाटा से इस योजना के आड़े आने वाली चुनौतियों को उन्नत विश्लेषण करने में और बाद में प्रासंगिक हितधारकों को सूचना के प्रचार-प्रसार में मदद मिली है मानीटरिंग दल ने अनुपालन नहीं करने वाले केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करने हेतु एक सुपरिभाषित शक्ति ग्रिड भी तैयार किया है तथा प्रतिसंहरण संबंधी मामलों के लिए एक अपीलीय प्राधिकरण का भी गठन किया है। परिणामस्वरूप दोषी केंद्रों के विश्लेषण और परिणामी प्रबंधन हेतु बेंचमार्क निर्धारित किया गया है और दोषी केंद्रों के खिलाफ कार्रवाई करना आसान हो गया है।

## 3. आधार आधारित बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली ईबीएएस

पीएमकेवीवाई की एक मुख्य विशेषता ईबीएएस है प्रत्येक केंद्र में लगी हुई बायोमीटर मशीन पर प्रत्येक समय जब भी कोइ विद्यार्थी/प्रशिक्षण पंच करता है तो यह वास्तविक समय में उपस्थिति और यह यू आईडी के डाटाबेस के अनुसार इसे प्राधिकृत करती है पूर्वोत्तर और जम्मू व कश्मीर प्रदेश के सिवाय।

पीएमकेवीवाई पहली ऐसी योजना है जिसमें ईबीएएस को लागू किया गया है और अब ग्रामीण विकास मंत्रालय की डीडीयूजीकेवाई जैसी अन्य योजनाओं में भी इसकी प्रतिकृति की जा रही है। ईबीएएस से पारदर्शिता और जवाबदेही आती है। दिशा-निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन के लिए पात्र होने हेतु प्रत्येक विद्यार्थी की 70 प्रतिशत उपस्थिति होना अनिवार्य है। आज की तारीख के अनुसार कुल 7918 संगठन ईबीएएस के साथ कार्यरत हैं और इनमें 13 लाख से ज्यादा विद्यार्थी पंजीकृत हैं एसडीएमएस के आधार पर सक्रिय आधे से ज्यादा प्रशिक्षण केंद्रों में फिलहाल ईबीएएस विद्यमान है और वे इसी पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं।



Screenshot of the Monitoring App



#### 4. कौशल मेले तथा रोजगार मेले

सामाजिक तथा सामुदायिक जुटाव किसी भी कौशल विकास पहल की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बॉटम-अप एप्रोच को प्रोत्साहन मिलता है तथा समुदाय द्वारा सरकारी कार्यक्रमों के स्वामित्व में वृद्धि होती है। पीएमकेवीआई में सुनिश्चित जुटाव के जरिए लक्षित समूहों को शामिल करते हुए विशेष महत्व प्रदान किया जाता है।

कौशल मेला जागरूकता पैदा करने तथा उपयुक्त उम्मीदवारों को नामांकित करने के लिए प्रयुक्त एक शिविर-आधारित दृष्टिकोण है। ऐसे शिविरों द्वारा न केवल इस योजना के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न कौशल प्रशिक्षण विकल्पों के बारे में सूचना का प्रचार-प्रसार किया जाता है बल्कि प्रशिक्षण देने के बाद संभावित कैरियर मार्गों की भी रूप रेखा तैयार की जाती है। देश भर में 1400 से अधिक कौशल मेले आयोजित किए जा चुके हैं।

देश में रोजगार मेले का दृश्य पीएमकेवीआई के अधीन शुरू की गई नवीन और प्रभावी पहलों में एक पहल रोजगार मेला है। ये नियोजन अभियान हैं जहां नियोजक तथा उम्मीदवार पीएमकेवीआई के नियोजन संबंधी निर्देशनों को पूरा करने के लिए एक साझे मंच पर संवाद करते हैं। अब तक करीब 750 से अधिक रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। पूरे इंडिया में इस योजना के जरिए 80000 से अधिक कौशल युक्त कार्यबल करीब 7000 से अधिक नियोजकों से जुड़ गए हैं। एनएसडीसी 20 से अधिक क्षेत्रों के प्रमुख नियोजनों जैसे कि मिन्ना, पिञ्जा हट, पीवीआर सिनेमा, बाटा इंडिया, जी 4 एस सेक्योर सॉल्युशन्स, लेमन ट्री होटल, हॉटा मोटर साइकिल एंड स्कूटर प्राइवेट लिमिटेड इत्यादि से संयोजकता को सुगम करके कौशल युक्त भारत की परिकल्पना को साकार करने के प्रति निरंतर प्रयत्नशील है। इससे उद्योग जगत द्वारा पीएमकेवीआई प्रमाणित उम्मीदवारों की स्वीकृति निर्दिष्ट होती है।



देश में रोजगार मेले का दृश्य



उम्मीदवार नई दिल्ली में रोजगार मेले में पंक्तिबद्ध खड़े हुए

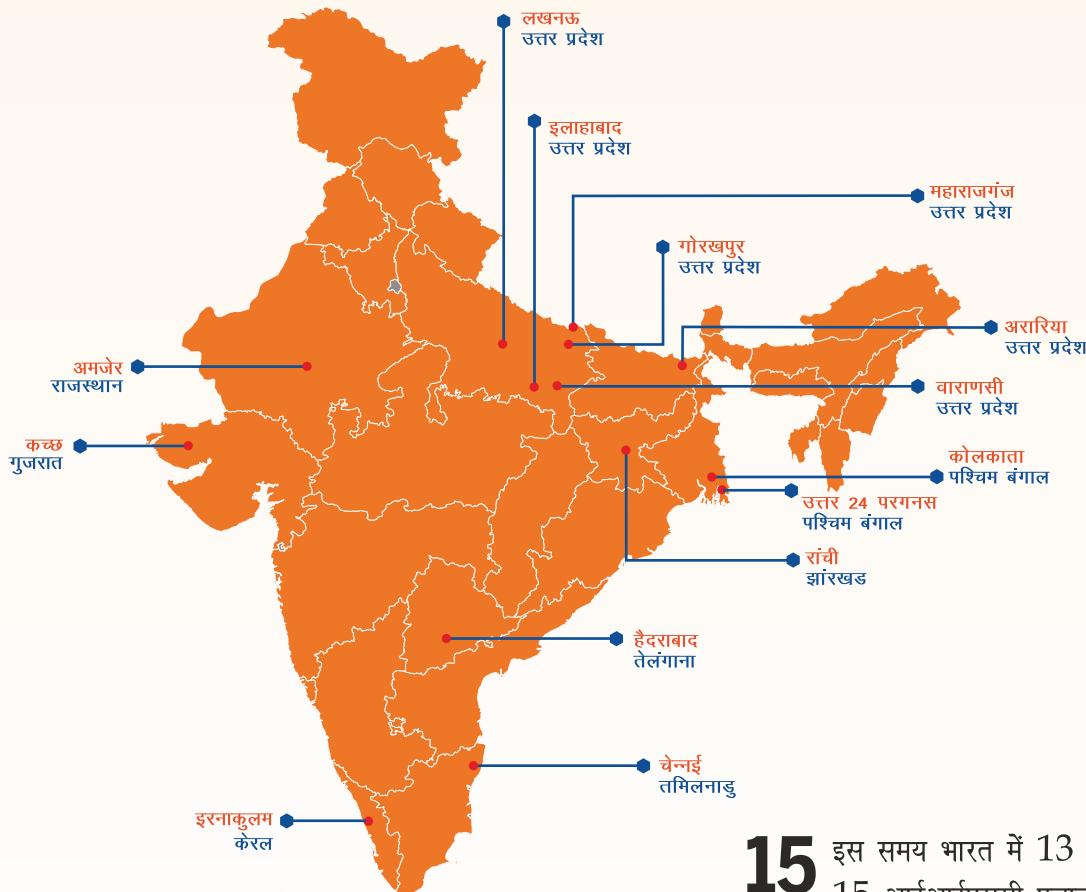
## 5. भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केन्द्र (आईआईएससी)

भारत सरकार युवा भारतीय कार्य बल के जनांकिकी लाभांश का उपयोग करके आने वाले वर्षों में श्रम शक्ति की वैशिवक कमी को दूर करने के लिए तत्पर है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के माध्यम से भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केन्द्र की स्थापना की जा रही है और यह नियोजनीयता के अवसरों के लिए वैशिवक जुटाव चाहने वाले युवाओं के लिए प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना तथा प्रवासी कौशल विकास योजना (पीकेवीवाई) का कार्यान्वयन करती रहेगी। विदेश मंत्रालय प्रस्थान-पूर्व अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीडीओटी) जिसमें भाषा और व्यवहार कुशलता संबंधी प्रशिक्षण माड्यूल शामिल हैं, के लिए सहायता प्रदान करता है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केन्द्रों की विशेषताएं:

- भारतीय युवाओं को विदेश में कार्य करने में समर्थ बनाने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु भारत भर में व्यवस्था।
- अंतर्राष्ट्रीय मानदण्ड के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रमों की प्रदानगी के लिए प्रयोगशाला अवसंरचना से संजित केन्द्र।
- अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों/अपेक्षाओं के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है।
- प्रस्थान-पूर्व अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीडीओटी) प्रशिक्षण का एक अखंड भाग है।
- उम्मीदवारों का एसएससी तथा इन्टरनेशनल अवार्डिंग बॉडिज द्वारा मूल्यांकन किया जाता है तथा संयुक्त रूप से प्रमाणन किया जाता है।

आईआईएससी के प्रायोगिक चरण में 15 प्रचालनात्मक केन्द्र हैं तथा प्रचालन हेतु 11 केन्द्र तैयार किए जा रहे हैं, 528 उम्मीदवारों का इन केन्द्रों में नामांकन किया जा चुका है। 27 मार्च, 2017 को प्रस्थान -पूर्व अभिविन्यास प्रशिक्षण माड्यूल शुरू किए गए थे तथा आईआईएससी प्रशिक्षकों के लिए अब तक पहली बार 5 दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टीओटी) की शुरुआत की गई। अब तक अंतर्राष्ट्रीय नियोजन में अनुभव वाले आईआईएससी के होने वाले तथा आईआईएससी के बाहर के एनएसडीसी भागीदारों ने टीओटी में पीडीओटी प्रशिक्षण लिया है। साथ ही, जनवरी, 2016 से अब तक एक दिवसीय पीडीओटी कार्यक्रम के तहत करीब 6,529 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।



**15** इस समय भारत में 13 जिलों में  
15 आईआईएससी प्रचालनात्मक है।

## 6. प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र (पीएमकेके)

कौशल प्रशिक्षण को प्रेरणात्मक बनाने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र

स्किल इंडिया मिशन को सुदृढ़ करते हुए एसएसडीई ने भारत के प्रत्येक जिले में अत्याधुनिक और प्रेरणादायक आदर्श प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना का कार्य शुरू किया है। इन आदर्श प्रशिक्षण केन्द्रों को प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र (पीएमकेके) के रूप में संदर्भित किया जाता है। इन केन्द्रों का निर्माण कौशल विकास प्रशिक्षण की प्रदानगी के लिए मानकीकृत अवसंरचना की ओरएसडीई की पहल है जो नियोजनीयता तथा कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए एक प्रेरणादायक मूल्य सृजित करने पर बल देते हुए उच्च स्तरीय उद्योग-अभियोगी विद्युतीय सहायता दी जाती है।

पीएमकेके के कार्यक्रम में प्रशिक्षण अवसंरचना का निर्माण करने तथा पीवीएमकेवीवाई की प्रदानगी में सहायता करने के लिए 70 लाख तक की सुलभ ऋण के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है।

पीएमकेके की मुख्य विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं:-

- न्यूनतम 3000-8000 वर्ग फीट क्षेत्रफल (जिले की जनसंख्या के आधार पर)
- गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु उच्च स्तरीय बाह्य तथा आंतरिक ब्रांडिंग, अवसंरचना
- स्थानीय युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जिले की जनसंख्या पर आधारित पाठ्यक्रम
- छोटी कक्षाएं, श्रव्य-दृश्य प्रशिक्षण, सहायक यंत्र, बायोमेट्रिक उपस्थिति
- विनिर्माण व्यापारों में अनिवार्य प्रशिक्षण
- अनिवार्य औद्योगिक संगोष्ठियां तथा अतिथि व्याख्याताएं
- समर्पित परामर्श, जुटाव और नियोजन प्रकोष्ठ

484 जिलों में 526 पीएमकेके आवंटित किए गए हैं जिनमें 406 संसदीय क्षेत्रों को शामिल किया गया है। 526 आवंटित पीएमके में से 415 पीएमकेके की स्थापना की गई है और 86 अतिरिक्त केन्द्रों की स्थापना करने के लिए कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षित किए जाने के लिए 5,43,235 उम्मीदवारों का वार्षिक पीएमकेवीवाई लक्ष्य 367 पीएमकेके (26 मार्च 2018 तक की स्थिति के अनुसार) को आवंटित किया गया है।



विनिर्माण व्यापार में प्रशिक्षण



कैथल, हरियाणा में पीएमकेके केन्द्र के अग्रभाग का दृश्य



शहडोल, मध्य प्रदेश में पीएमकेके केन्द्र में प्रशिक्षणीयों का बैच

## 7. केन्द्रीय प्रायोजित राज्य नियंत्रित (सीएसएसएम)

पीएमकेवीवाई के सीएसएसएम घटक को वर्ष 2016 में राज्य नियुक्ति संबंधी दिशानिर्देशों के जारी होने के साथ शुरू किया गया। पीएमकेवाई 2.0 धनराशि का 25% (2016-2020) अर्थात् 3000 करोड़ तथा 20.5 लाख उम्मीदवारों का भौतिक लक्ष्य राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को आवंटित किया गया है जहां राज्य कौशल विकास मिशन से अपेक्षित है कि वे युवाओं के लिए उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था करें तथा सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें सफलतापूर्वक नियोजित किया जाता है। राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों की भूमिका निम्नलिखित है:-

- योजनाओं का कार्यान्वयन राज्यों में किया जाता है तथा योजना के कार्यान्वयन तथा अनुवीक्षण में राज्यों की भागीदारी से इन पहलों की प्रभावकारिता तथा सक्षमता में अत्यधिक सुधार होने की आशा है।
- राज्य विशिष्ट आर्थिक कार्यकलापों के लिए कौशल संबंधी जरूरतों को स्पष्ट करने के लिए राज्य बेहतर स्थिति में है। उनकी भागीदारी से विशिष्ट कौशल विकास प्रशिक्षण का संचालन समर्थ होगा जिससे स्थानीय मांग तथा आकांक्षाएं पूरी होती हैं।
- मौजूदा राष्ट्रव्यापी, कौशल विकास प्रणाली की क्षमता बढ़ेगी जिससे सभी के लिए समान तरीके में मदद मिलेगी।
- राज्य विशिष्ट परम्परागत कौशलों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की पहलों में सहायता प्रदान करना।

### सीएसएसएम की प्रगति



**3000 करोड़** की लागत पर 2020 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में **20.5 लाख** लक्ष्यों को अनुमोदित किया गया



**6.01 लाख** को मार्च, 18 तक प्राप्त किया जाना है, सितंबर, 2018 तक संभावित उपलब्धि



**35 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों** के प्रस्ताव प्राप्त किए गए तथा पीएसी द्वारा अनुमोदित किए गए



31 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रथम भाग के रूप में **448 करोड़** निधियों का भुगतान किया जाता है।



**27 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र** एसडीएमएस लिंकड एमआईएस सिस्टम पर उपलब्ध



**17 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों** ने प्रशिक्षण शुरू कर दिया है।



गुजरात कौशल विकास मिशन (जीएसडीएम) ने 1,600 से अधिक उम्मीदवारों के नामांकन के साथ गुजरात में पीएमकेवीवाई-सीएसएसएम शुरू किया।

इम्फाल, मणिपुर में पीएमकेवीवाई-सीएसएसएम के कार्यान्वयन से संबंधित कार्यशाला।

## समावेशन हेतु कौशलयुक्त बनाना

प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के तहत कौशल युक्त बनाने की पहल ने अपनी पहुंच शहरी क्षेत्रों से दूरदराज के क्षेत्रों तक बना ली है जिसमें राष्ट्रव्यापी सीमांत क्षेत्रों और संवेदनशील क्षेत्रों पर बल दिया गया है।

उत्तर पूर्व भारत में 113 में से 61 जिलों में कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को शुरू किया गया है जिसमें क्षेत्र का 53% क्षेत्र शामिल है। 35 में से 34 बदतरीन रूप से प्रभावित जिलों में कौशल की शुरूआत और केन्द्रों की स्थापना की सुविधा दी गई है जो वामपंथी अतिवादी क्षेत्र हैं।

महिलाओं को पूरे देश में समावेशी और विकासात्मक विकास के लिए कौशल और उद्यमिता अवसरों से सबल बनाया जा रहा है। बूजन-जाति त्रिपुरा से जयपुर टाट प्रतिष्ठान जो राजस्थान में हैं, विशेष योजनाओं जिनमें लघु कालीन प्रशिक्षण और आरपीएल योजनाएं, दोनों शामिल हैं, का देशव्यापी संचालन किया जा रहा है ताकि महिलाओं के कौशल का विकास हो और वे अपने-आप तथा अपने परिवारों के लिए एक बेहतर जीविका प्राप्त करें। पीएमकेवीवाई 2.0 के तहत 9 लाख से ज्यादा महिलाओं को तीन तरह के घटकों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया है।

महिलाओं के सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार लाने हेतु एक प्रायोगिक परियोजना 'सांभवी' शुरू की गई जिसका लक्ष्य महिलाएं जो झुग्गी-झोपड़ी में रहती हैं और किशोरी लड़कियों में उद्यमिता कौशल का विकास करना है। इसे विभिन्न ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण देकर तथा सुदृढ़ प्रशिक्षण पश्चात्

समर्थन के अलावा सुनिश्चित नियोजनीयता देकर किया जाना है। भुवनेश्वर की शहरी झुग्गी की करीब 1500 औरतों को उनके कौशल का उन्नयन करने के लिए पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। एनएसडीसी ने अमेजॉन की "मेरी सहेली" योजना और नागालैंड राज्य सरकार के साथ दो दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी की ताकि अमेजॉन इन पर उनकी अपनी कार्यशाला खोलने के लिए युवा महिला उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जा सके।



महिला उम्मीदवार विश्वास और पहचान पाती हैं।

## सीखने के संसाधन और प्रौद्योगिकी

### 1. कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केन्द्रों का प्रत्यायन

कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केन्द्रों का प्रत्यायन (एसएमएआरटी) कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केन्द्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट) (एसएमएआरटी) एक सूचना प्रौद्योगिकी पहल है जिसका लक्ष्य कौशल इको पद्धति में सारे हितधारकों के प्रयासों को उर्जामय बनाना और कौशल विकास की पहलों को सरल और कारगार बनाना है। स्मार्ट एकल खिड़की अनुप्रयोग मुहैया करता है जो कौशल इको पद्धति में प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रत्यायन संबद्धता और लगातार प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है तथा इसका लक्ष्य महत्वपूर्ण मुद्रों जैसे कि वस्तुनिष्ठ तरीके से कौशल प्रदायकों का मूल्यांकन करने, प्रशिक्षण केन्द्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, प्रशिक्षण केन्द्रों के संबंध में सोच-समझ कर विकल्पों को अपनाने में समर्थ बनाने इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर बल देने का है। स्मार्ट मानकीकृत तथा प्रभावी प्रक्रियाओं को सुकर बनाता है जो विभिन्न योजनाओं में वांछित गुणवत्ता युक्त मानदण्ड प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।



प्रशिक्षण भागीदारों के लिए स्मार्ट, ऑनलाइन अनुप्रयोग

वर्तमान में स्मार्ट पोर्टल के पास प्रशिक्षण केन्द्रों का भंडार है जो स्तरीकरण 1 स्टार से 5 स्टार के साथ प्रत्यायित तथा संबद्ध है। 5 स्टार को सबसे उँची श्रेणी माना जाता है।



बहुक्रीय कौशल परिषदों  
(एसएसटी) और योजनाओं में  
सिंगल पोर्टल इंटरफेस



आई टी समर्थ प्रशिक्षण  
केन्द्रों के प्रत्यायन और संबद्धता  
के लिए कागजरहित पद्धति।



प्रत्यायन और संबंधन सेवाओं  
की पारदर्शी और समयबद्ध सेवा



एसएससी द्वारा निर्देशित  
मानकीकृत प्रयोगशाला  
विशिष्टताएं

स्मार्ट के फायदे

### 2. कौशल विकास प्रबंधन पद्धति (एसडीएमएस)

कौशल विकास प्रबंधन पद्धति सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग लेटरफॉर्म है जो योजना के भीतर आवेदक के समग्र जीवन चक्र के लिए एक एमआईएस पद्धति है।

- 12.6 मिलियन आवेदक के आंकड़े 57 भिन्न-भिन्न योजनाओं में एसडीएमएस पर हैं।
- 28 राज्य पहले ही एसडीएमएस के सेंट्रल डाटाबेस के साथ सीएसएसएम के माध्यम से पहले ही एकीकृत हैं।

एसडीएमएस-पीएमकेवीवाई को एक विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रबंधन योग्य सॉफ्टवेयर प्रदान करके सपोर्ट करते हैं ताकि वह योजना के दिशानिर्देशों और हितधारकों के विकास को समायोजित करते हुए योजना को सुधारें और कौशल प्राप्त करें।

एसडीएमएस प्लेटफार्म का प्रयोग लाभार्थियों और हितधारकों की पहचान और प्रबंधन के लिए होता है। यह एमएसडीई, एनएसडीसी, एनएसडीसी के प्रशिक्षण भागीदारों और उनके प्रशिक्षण केन्द्रों, सेक्टर स्किल कौशल, मूल्यांकन एजेंसी और निर्धारकों द्वारा विभिन्न भूमिकाओं जो वे कौशल प्रशिक्षण इको पद्धति में निष्पादित करते हैं, के साथ प्रयुक्त होता है।

10 मिलियन आवेदकों को कौशलयुक्त बनाने के लक्ष्य से एसडीएमएस को लगातार फिर से बनाया जाता है और फिर से विकसित किया जाता है ताकि आवेदकों के जीवनवृत्त को शुरू से अंत तक शामिल किया जा सके। इसके लिए, एसडीएमएस विभिन्न क्षेत्रों और पद्धतियों से आकड़ों का इंटरफेस और आदान प्रदान करता है, सारे संव्यवहारों को रिकार्ड करता है और सुरक्षित और सुनिश्चित भुगतान को समर्थ बनाने हेतु इंटरफेस प्रदान करता है। एसडीएमएस पद्धतियों को सुनिश्चित करता है और उनका विकास करता है ताकि स्किल भारत मिशन के प्रदेय वस्तुओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाया जा सके।

### 3. कौशल-ई-पुस्तकालय (ई-पुस्तक पाठक)

कौशल-ई-पुस्तकालय एक एंड्रॉयड ऐप है जो कि पढ़ने वालों को और कौशल की तलाश करने वालों को कौशल युक्त सामग्री तक पहुंचाते हैं जबकि वे गतिमान होते हैं।

यह सुविधाजनक उपयोगकर्ता इंटरफेस और साधारण नेविगेशन के लिए उन्नत विशिष्टताओं के साथ विकसित किया गया है। यह ऐप सादगी को अपनाता है जो डिजिटल किताबों को पढ़ने में सुविधा देता है। इस तरह पढ़ने वाले पाठकों को लाभकारी अनुभव प्राप्त होता है।

कौशल एंड्रॉयड ई-बुक रीडर ऐप को विकसित किया गया है।

- चलती फिरती स्थिति में प्रतिभागियों को कौशल संबंधी सामग्री को पढ़ने और उस तक पहुंचने में समर्थ बनाना।
- डिजिटल पुस्तकों को प्रभावी रूप से तथा छात्रों के पढ़ने के अनुभव को सुखमय बनाने की विशिष्टताओं के साथ



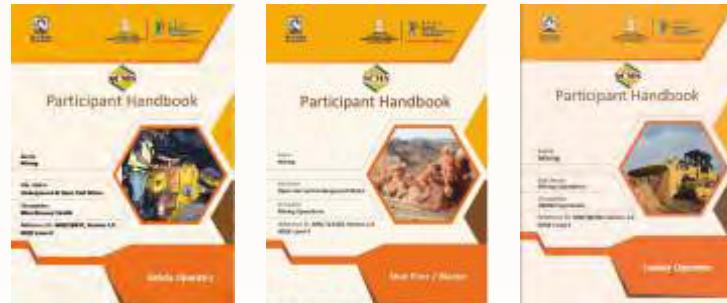
कौशल-ई-पुस्तकालय



एंड्रॉयड ई-बुक रीडर ऐप

### 4. प्रतिभागी की पुस्तिका और पाठ्यचर्या

252 नौकरी की भूमिकाओं में से		
उपलब्ध पाठ्यचर्या	246	6 एस-सीपीडब्ल्यूडी नौकरी भूमिकाएं वर्णनात्मक एनएसडीसी को स्वैकृति नहीं मिली
उपलब्ध सामग्री	252	



प्रतिभागी की पुस्तिका और पाठ्यचर्या

252 प्रतिभागी पुस्तिकाओं की भाषावार उपलब्धता

अंग्रेजी	251
हिंदी	194
मराठी	17
गुजराती	18
बांग्ला	5
ओडिशा	8
तमिल	11
तेलुगु	1
कन्नड़	11



## पीएमकेवीवाई के तहत नवीन पद्धतियों की झलक

### 1. आधारिक संरचना उपयोग के लिए समन्वय

स्मार्ट नगरों में कौशल प्रशिक्षण के लिए प्रथम प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र के लिए एनडीएमसी के साथ सहयोग

सहयोगी कोशिशों के माध्यम से कौशल युक्त बनाने में गति लाने हेतु राष्ट्रीय कौशल विकास कारपोरेशन ने नई दिल्ली म्यूनिसिपल काउंसिल स्मार्ट सिटी लिमिटेड जो नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की एक इकाई है, के साथ भागीदारी शुरू की ताकि कौशल युक्त बनाने की पहलों के लिए एनडीएमसी की आधारिक संरचना को बेहतर बनाया जा सके।

स्मार्ट सिटी में कौशल बढ़ाने हेतु एनडीएमसी - पीएमकेके केन्द्र मंदिर मार्ग नई दिल्ली में करीब 30000 वर्ग फीट का एक उदाहरणात्मक धरोहर भवन है जिसकी प्रति वर्ष 4000 युवाओं की कौशल बढ़ाने की क्षमता है। स्वास्थ्य, रक्षा और सौर ऊर्जा सेक्टरों की जरूरत पूरा करते हुए यह केन्द्र एनएसडीसी के एक संबद्ध प्रशिक्षण सहयोगी औरियन एज्यूटेक के द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। यह केन्द्र स्नीडर इलेक्ट्रिस के द्वारा शक्तिकृत एक सौर शक्ति प्रयोगशाला से सुसज्जित हैं।



मंदिर मार्ग, नई दिल्ली में स्मार्ट सिटी में कौशल बढ़ाने के लिए एनडीएमसी-पीएमकेके

## 2. मिश्रित सीख प्राप्ति संबंधी अध्यापन के जरिए नियोजनशीलता को बेहतर बनाना

सेंटम पीएमकेके साथ बधवानी आपरेटिंग फाउंडेशन

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और बधवानी आपरेटिंग फाउंडेशन, कैलिफोर्निया की एक गैर-लाभ अर्जक सार्वजनिक हितार्थ निगम, तथा सेंटम वर्कस्किल इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली में स्थित एक प्रशिक्षण प्रदायक के बीच कैथल हरियाणा के जाट कॉलेज ॲफ पॉलीविल्निक में स्थित प्रशिक्षण भागीदार के प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र में प्रायोगिक आधार पर पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के साथ नियोजनीयता के संबंध में अतिरिक्त प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एक त्रिपक्षीय समझौता किया गया है।

यह प्रायोगिक परियोजना मिश्रित सीख अध्यापन और गहन कार्यकलाप के जरिए नियोजनशीलता को बेहतर करने के दृष्टिकोण पर आधारित है तथा क्षमता विकास प्रशिक्षण के भाग के रूप में इस कार्यक्रम को संचालित करने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम के तहत, बधवानी आपरेटिंग फाउंडेशन 220 घंटे नियोजनशीलता कौशल सामग्री ऑनलाइन लर्निंग फ्लैटफॉर्म तक पहुंच के साथ प्रदान करेगा। ऑन लाइन लर्निंग फ्लैटफॉर्म तक पहुंच टीपी को पंजीकरण औपचारिकताओं को पूरा करने पर दी जाएगी। यह संगठन मास्टर ट्रेनर को नियोजनीयता ई-कंटेंट प्रदान करके पांच दिनों का प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित और संचालित भी करेगा। यह परियोजना के कार्यान्वयन के लिए सेंटम के मौजूदा कार्यक्रमों में इसके ई-कंटेंट को समाकलित करने के लिए सुझावात्मक तरीकों की व्यवस्था करेगा। इसके अलावा, यह इम्पैक्ट पीएसडी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए अंतिम प्रभाव संबंधी निर्धारण को भी सुगम बनाएगा।



देश में पीएमकेके केन्द्रों में चल रहे प्रशिक्षण सत्र

# कौशल विकास परियोजनाएं



## सरकारी परियोजनाएं (एसटीटी एवं आरपीएल)

भारतीय रेल - IRCTC की स्वर्ण परियोजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण

क्षेत्र	पर्यटन एवं आतिथ्य सत्कार
स्थान	कर्नाटक, महाराष्ट्र
लक्ष्य	IRCTC स्टाफ
प्रशिक्षित किए जाने वालों की संख्या	2568 CRPL

रेल मंत्रालय (MoR) और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने दिनांक 14 जुलाई, 2015 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। स्वर्ण परियोजना के अंतर्गत मुख्य रेलगाड़ियों में यात्रियों के अनुभव में संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध 29 रेलगाड़ियों में 16 रेलवे जोनों में प्रशिक्षण दिया जायेगा और हाउसकीपिंग परिसर, मैनुअल साफ-सफाई, कक्ष परिसर तथा एफ एवं बी सेवा स्टीवार्ड जैसी रोजगार भूमिकाओं के संबंध में विभिन्न शहरों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

40 घंटे के प्रशिक्षण वाले इस कार्यक्रम में 25-25 घंटे का अध्ययन होगा तथा शेष अवधि आन-जॉब प्रशिक्षण हेतु होगी। प्रायोगिक प्रशिक्षण के दौरान अस्थर्थियों के साथ प्रशिक्षक मौजूद रहेंगे ताकि अस्थर्थियों को जीवंत अनुभव और व्यावहारिक (हैंडस-ऑन) प्रशिक्षण मिल सके। यह कार्यक्रम स्वच्छता, सफर के दौरान साफ-सफाई, खान-पान आदि और खाना परोसने के लिए ट्राली का इस्तेमाल आदि पर जोर देता है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के उपरांत अस्थर्थियों का मूल्यांकन किया जाएगा और प्रमाणित किया जाएगा।



स्वर्ण कार्यक्रम के अंतर्गत व्यवहारिक (हैंडस-ऑन) प्रशिक्षण

## रक्षा मंत्रालय के सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों को कौशल प्रशिक्षण

क्षेत्र	विविध
स्थान	37 सैन्य केंद्र, 9 नौ सन्य केंद्र और 15 भारतीय वायु सेना केंद्र
लक्ष्य	सेवानिवृत्त कर्मिक और उनके परिवार के सदस्य
प्रशिक्षित किए जाने वालों की संख्या	वर्ष 2017-18 में 36,458 (आरपीएल) वर्ष 2018-19 में शुरू किए जाने हेतु 40128 (आरपीएल) सैन्य कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में 3,530 (एसटीटी)
प्रशिक्षित	2017-18 के बैंच के 80% अभ्यर्थी

रक्षा मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के बीच जुलाई 2015 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये थे। इस महत्वपूर्ण समझौते के अंतर्गत एनएसडीसी सेवानिवृत्त कर्मियों के रोजगार संबंधी विकल्प के लिए तथा कौशल विकास परिवेश के लिए प्रशिक्षकों और मूल्यांकन कर्ताओं के रूप में उनकी सेवाएं उपयोग में लाने हेतु उनके कौशल विकास हेतु सैन्य बलों-भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर काम करेगा। आज की तारीख तक इन तीनों संघर्षों के 80 प्रतिशत से ज्यादा कर्मियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है तथा इन्हे मूल्यांकनकर्ताओं/प्रशिक्षकों के रूप में रोजगार में लगाया गया है।

अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सेना की मौजूदा अवसंरचना का इस्तेमाल करके तथा इनका सैन्य कौशल प्रशिक्षण केंद्र के रूप में अद्यतन करके रक्षा कर्मियों की पत्तियों और बच्चों के लिए एक पहल शुरू की गई है। शिल्पकला, शृंगार एवं आरोग्यता, परिधान 9 तथा सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने वाले अब तक ऐसे 4 केंद्र संचालित किए जा रहे हैं।

### विशेषताएं:

- सैन्य कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में पति/पत्तियों तथा बच्चों का कौशल वर्धन किया जा रहा है, ताकि वे अपने परिवारों को सार्थक योगदान देने में समर्थ तथा सशक्त हो सकें।
- 13 केंद्र स्मार्ट पर पंजीकृत हैं और एसटीटी संचालित कर रहे हैं।
- शृंगार एवं आरोग्यता, परिधान तथा आईटी-आईटीईएस क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

**रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (डीपीएसयू)** : डीपीएसयू तथा आयुध निर्माणी बोर्ड के भर्ती नियमों में संशोधन करने पर चर्चा चल रही है। विभिन्न क्षेत्रों के क्यूपी - एनओएस हेतु निर्धारित की जा रही 187 विलक्षण रोजगार परक भूमिकाओं के लिए एसएससी में फिलहाल रोजगार संबंधी भूमिकाओं को क्यूपी - एनओएस के अनुरूप बनाने की प्रक्रिया चल रही है ताकि इहे एनएसक्यूएफ के अनुरूप बनाया जा सके रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (डीपीएसयू)-डीपीएसयू तथा आयुध निर्माणी बोर्ड के भर्ती नियमों में संशोधन करने पर चर्चा चल रही है। विभिन्न क्षेत्रों के क्यूपी -एनओएस हेतु निर्धारित की जा रही 187 विलक्षण रोजगार परक भूमिकाओं के लिए एसएससी में फिलहाल रोजगार संबंधी भूमिकाओं को क्यूपी - एनओएस के अनुरूप बनाने की प्रक्रिया चल रही है ताकि इहे एनएसक्यूएफ के अनुरूप बनाया जा सके।

**पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर)** : डीजीआर द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों को भी एनएसक्यूएफ के अनुरूप बनाने की प्रक्रिया चल रही है।



सेवानिवृत्त रक्षाकर्मियों के लिए प्रगतिरूप प्रशिक्षण सत्र

## सशस्त्र सीमा बल के सेवानिवृत्त कार्मिकों के लिए द्वितीय रोजगार अवसर

क्षेत्र	विविध
स्थान	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), पश्चिम-बंगाल, मुजफ्फरपुर एवं बिहार
लक्ष्य	सेवानिवृत्त कार्मिक, महिलाएं और स्थानीय समुदाय
प्रशिक्षित किए जाने वालों की संख्या	300 (एसटीटी) + 136 (आरपीएल)
प्रशिक्षित	300 +

सेवानिवृत्त व्यक्तियों, सेवाकालीन तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिवार के सदस्यों तथा सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एनएसडीएफ, एनएसडीसी व सशस्त्र सीमा बल के बीच मार्च 2017 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किय गये थे।

एनएसडीसी ने गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), फलाकाता (पश्चिम बंगाल) और मुजफ्फरपुर (बिहार) में तीन स्थानों पर अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। समुदायों तथा सीमांत क्षेत्रों के 300 अभ्यर्थियों को अब तक प्रशिक्षित किया गया है। एनएसडीसी का एक अनुमोदित प्रशिक्षण साझेदार - लेबरनेट इस परियोजना को कार्यन्वित कर रहा है।



अल्पावधि प्रशिक्षण प्राप्त करता हुआ एक बैच

पहले बैच के लिए प्रशिक्षण का कार्यान्वयन सशस्त्र सीमा बल परिसर, मुजफ्फरपुर, बिहार में किया गया था जहाँ 29 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया गया था जिसमें से 18 अभ्यर्थियों को श्री राम रिंग एवं पिस्टल लिमिटेड द्वारा प्रतिमाह 11,753 रुपये के पारिश्रमिक पर नियुक्ति पत्र दिये गये हैं। इन अभ्यर्थियों को बिहार के सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों में से दिया गया है।



एसएसबी कर्मियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन

## गैर सरकारी संगठनों के साथ कौशल प्रशिक्षण

### अरविंद लिमिटेड के सहयोग से परिधान (वस्त्र) संबंधी प्रशिक्षण

क्षेत्र	परिधान (वस्त्र)
स्थान	कर्नाटक
लक्ष्य	युवा (18-35 वर्ष का आयु समूह) और महिलाएं
प्रशिक्षित किए जाने वालों की संख्या	20,000

अरविंद लिमिटेड के सहयोग से एनएसडीसी वर्ष 2020 तक 20,000 युवाओं को गुणवत्तायुक्त कौशल प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस सहयोग के अंतर्गत अरविंद लिमिटेड (उर्फ अरविंद मिल्स), जो कि रेडीमेड वस्त्रों का एक अग्रणी निर्यातक, आपूर्तिकर्ता एवं उत्पादक है, एक प्रशिक्षण प्रदायक होगा और यह कौशल प्रशिक्षण के लिए अपनी अवसंरचना, जगह, प्रशिक्षण सुविधाएं एवं मशीनरी उपलब्ध करवाएगा। इसमें कौशल सीखने की इच्छा रखने वाले सभी युवाओं, विशेषकर 18 से 35 वर्ष के आयु समूह के बेरोजगार युवाओं के लिए प्रवेश खुला होगा। अरविंद लिमिटेड द्वारा कर्नाटक में अपने नौ प्रशिक्षण केंद्रों के जरिए प्रदान किया जा रहे पीएमकेवीवाई के अंतर्गत इस एकीकृत कौशल विकास कार्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना तथा रोजगार दिलवाना शामिल है।

परिधान तैयार करने हेतु और ग्रह सज्जा संबंधी क्षेत्रों में प्रदान किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण में रोजगार से संबंधित छ: भूमिकाएं शामिल हैं अर्थात् मशीन आपरेटर, गुणवत्ता जांच कार्यकारी - सिलाई की पंक्ति में, पैक करने वाले और वाशिंग मशीन चलाने वाले देश में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार सृजन करने वाले इस क्षेत्र में कौशल प्राप्त अभ्यर्थियों की अत्यधिक मांग है। एनएसक्यूएफ के अनुसूप इन रोजगार संबंधी भूमिकाओं में अभ्यर्थियों का 3-6 माह का प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल है।



अरविंद मिल्स, बंगलुरु में परिधान उत्पादन प्रशिक्षण केंद्र

## जीएमआर वरालक्ष्मी फाउंडेशन (जीएमआरवीएफ) के साथ परियोजना

क्षेत्र	कृषि, पर्यटन एवं आतिथ्य सत्कार
स्थान	दिल्ली, हैदराबाद, बंगलुरु
लक्ष्य	युवा (18-35 वर्ष का आयु समूह)
प्रशिक्षित किए जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	2,000

जीएमआर वरालक्ष्मी फाउंडेशन, जो की एमआर समूह का सीएसआर भाग है, और जो हैदराबाद और दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कार्य निष्पादन करता है, ने योजना बनाई है कि इसका एंट्री लेवर स्टाफ शिक्षा संवर्धन के लिए पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षण सह अभिविन्यास कार्यक्रम और प्रमाणन प्राप्त करेगा।

तकनीकी शिक्षा के अलावा साफ्ट कौशल, बोल-चाल में अंग्रेजी भाषा के प्रयोग तथा डिजीटल साक्षरता पर भी जोर दिया जाता है। इस परियोजना से लगभग 2000 अभ्यर्थियों को लाभ मिलने की संभावना है।

### सफलता की कहानी

भाग्य लक्ष्मी

20 वर्ष, कोरमंगला, बंगलुरु

भाग्य लक्ष्मी ने छोटी सी आयु में ही अपनी माता को खो दिया और अपने दो भाई-बहनों के साथ इनका लालन-पालन इनके पिता ने किया। उसके पिता एक दिहाड़ी मजदूर थे और अपने तीनों बच्चों की शिक्षा जारी रखने में उन्होंने बहुत सी कठिनाईयों का सामना किया।



भाग्य लक्ष्मी

बड़ी मुश्किल से भाग्य लक्ष्मी ने अपना दूसरा प्री-विश्वविधालय पाठ्यक्रम (पीयूसी) पूरा किया, जो 10+2 के समकक्ष होता है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कालेज जाने के उसके सपने चूर-चूर हो गये थे क्योंकि उसके पिता इसमें आने वाले खर्चों को पूरा करने में समर्थ नहीं थे। उसके एक करीबी मित्र ने उसे जीएमआरवीएफ (GMRVF) के वोकेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में बताया। उच्च शिक्षा करने के उसके सपने को साकार करने तथा अपने परिवार को वित्तीय मदद प्रदान करने हेतु नौकरी पाने के लिए यह एक स्वर्णिम अवसर था। जीएमआरवीएफ (GMRVF) के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत भाग्य लक्ष्मी को एक डोमेस्टिक डाटा एंट्री आपरेटर के रूप में बंगलुरु में मैट्रीक फॉक्स प्रा.लि. कंपनी में 12000 प्रतिमाह के वेतन पर एक नौकरी मिल गई है।



## इंडियन टेक्स प्रीन्योर्स फेडरेशन के साथ परियोजना

क्षेत्र	परिधान, वस्त्र और हथकरघा
स्थान	तिरुपुर (तमिलनाडु)
लक्ष्य	युवा (18-35 वर्ष के आयु समूह के)
प्रशिक्षित किए जाने वाले अभ्यार्थियों की संख्या	50,000

इंडियन टेक्स प्रीन्योर्स फेडरेशन (गैर-लाभकारी पंजीकृत औद्योगिक संगठन), जिसकी 500 सदस्य मिलें हैं, इनके द्वारा 23 रोजगार परक भूमिकाओं में 50,000 नए अभ्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 90 प्रतिशत प्रशिक्षित अभ्यार्थियों को आईटीएफ की सदस्य मिलों द्वारा अभ्यार्थी को उसकी क्षमतानुसार नौकरी दी जाएगी।

27 नवंबर, 2017 को इस परियोजना के अंतर्गत एक शुभारंभ कार्यक्रम सह-कौशल मेला आयोजित किया गया था जहां अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 1000 अभ्यार्थियों को श्री राजा शणमुगम, अध्यक्ष तिरुपुर एक्सपोर्टर एसोसिएशन द्वारा प्रमाण-पत्र और नियुक्ति पत्र दिए गए।

विगत 10 वर्षों में इस क्षेत्र की उत्पादकता में कुशल कार्मिक शक्ति की भारी कमी की वजह से भारी गिरावट आई है। अतः, कार्यबल में 50000 कुशल पेशेवर जुड़ जाने से उत्पादन क्षेत्र में बहुत बड़ी मदद मिलेगी। वस्त्र उत्पादन इकाइयों के सदस्य विश्वस्तरीय कार्य परिवेश में नए कार्मिकों को प्रशिक्षण एवं रोजगार देने में पूर्णतया सुसज्जित हैं।

### सफलता की कहानी

आनंदी

18 वर्ष, तमिलनाडु



आनंदी

18 वर्षीय आनंदी चेन्नाप्पनयकनपलायम, गुडालोर में रहती है जो तमिलनाडु के ऊटी से लगभग 50 कि.मी. दूर एक पर्वतीय क्षेत्र है। वह अपने माता-पिता के साथ वहां रहती थी जो कि दिहाड़ी मजदूर थे और उसके दो छोटे भाई VIII और XI कक्ष में पढ़ रहे थे।

वित्तीय कठिनाईयों की वजह से उसे बारहवीं कक्षा के उपरांत अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और अपने परिवार की वित्तीय मदद के लिए उसने काम ढूँढ़ा शुरू कर दिया। उसे इंडियन टेक्स प्रीनर्स फेडरेशन (आईटीएफ) के साथ एनएसडीएसी द्वारा संचालित 45 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में पता चला। उसने ऑटोकोनर टेंटर की रोजगार भूमिका में खुद का नामांकन करवाया और अपनी रोजगार संबंधी भूमिका के अनुरूप और साफ्ट कौशल और उद्यमिता, सुरक्षित कार्य-व्यवहार, दल के साथ मिलकर काम करने, स्वावलंबन, अग्निशमन, आपातकालीन प्रहस्तन प्रक्रियाएं, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छ भारत, डिजीटल इंडिया के महत्व, उद्यमिता मार्गदर्शन आदि में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस बैच को मानक पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण किटें तथा रोजगारोनुखी भूमिका से संबंधित एक प्रशिक्षण पुस्तिका दी गई थी और प्रशिक्षुओं ने कार्य

के सैद्धांतिक और व्यवहारिक, दोनों पहलुओं पर गौर करते हुए उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ा। वह विभिन्न स्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 30 लड़कियों में से थी। प्रशिक्षण पूरा होने के उपरांत उनका बाहरी परीक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया गया।

वह बताती है, “मैं बहुत खुश हूं कि मैंने और मेरी सहेलियों ने सिद्धांत और प्रायोगिक, दोनों परीक्षाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। हम सभी को पीएमकेवीवाई का प्रमाण-पत्र दिया गया जो हमारा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने का प्रमाण था। इसके तत्काल बाद मुझे 10,000 प्रतिमाह के वेतन पर एक मिल में ऑटोकोनर टेंटर की नियमित नौकरी मिल गई। मुझे संपूर्णता की भावना की अनुभूति होती है क्योंकि मुझे ऐसी आयुनिकतम एवं संश्लिष्ट मशीन पर कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसे जापान से आयात किया गया है तथा इसकी लागत 1.5 करोड़ रुपए है। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप मैं सहजतापूर्वक तथा प्रभावी रूप से अपने सभी कार्यों को पूरा कर पाती हूं और आसानी से उत्पादन एवं गुणवत्ता संबंधी अपना लक्ष्य हासिल कर पाती हूं। मैं अपने इस अनुभव से यह कहना चाहूंगी कि सभी को कौशल प्रशिक्षण लेना चाहिए ताकि वह अपनी आजीविका कमा सके, जो अब पीएमकेवीवाई जैसी योजनाओं के जरिए निःशुल्क और आसान है।”

## स्वर्णकारो के लिए आरपीएल (पूर्वानुभव को मान्यता)

एक द्वितीय अवसर, समय के साथ-साथ विकास का अवसर

परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीएलए)	गोल्डस्मिथ एकेडमी प्रा.लि.
क्षेत्रगत कौशल परिषद	भारतीय हीरा एवं जेवरात कौशल परिषद (जीजेएससीआई) GJSCI
स्थान	तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना
रोजगारोन्मुखी भूमिकाएं	एचएमजी-घटक निर्माता एचएमजी-फ्रेम निर्माता
कुल लक्षित आरपीएल	5000 अभ्यार्थी

### सफलता की कहानी

#### गोकुलानंद साहू

81 वर्ष, कटक, उड़ीसा

जरदोजी कला में 60 साल से ज्यादा का अनुभव प्राप्त गोकुलानंद साहू एक मंझे हुए स्वर्णकार हैं। एक अत्यंत अनुभवी शिल्पकार होने के बावजूद उन्होंने अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए चुनौतियों का सामना किया। गोकुल प्रति-दिन 70-80 रुपए कमाते थे जो उनके चार सदस्यीय परिवार की जरुरतों के लिए बिल्कुल कम राशि थी और उनके परिवार में एक बेटा दिव्यांग भी था।

आरपीएल कार्यक्रम करने के उपरांत साहू उत्साहित महसूस करते हैं। वह बताते हैं “मेरे लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक प्रमाण-पत्र को छोड़ दें तो मुझे अपने जीवन में कभी भी पहचान नहीं मिलती। अब मैं एक खुश इंसान हूं। मैंने आधुनिक युग के औजारों के साथ काम करना सीख लिया है और मुझे यह दुख होता है कि मैं पहले ऐसे औजार और तकनीकें इस्तेमाल नहीं कर पाया। मेरी उत्पादकता और आय और ज्यादा हो सकती थी।” साहू ने अब कटक में जेवरात के बड़े-बड़े घरानों से संबंध बना लिए हैं और वह अपनी पूर्व आय की तुलना में चार गुणा ज्यादा कमाते हैं।



स्वर्णकार साहू अपने परिवार के साथ काम करते हुए।

## श्री श्री ग्रमीण योगा व्यावसायिक विकास योजना के साथ आरपीएल परियोजना

क्षेत्र	योग (शृंगार एवं आरोग्यता)
स्थान	पूर्वोत्तर सहित 20 राज्य
लक्ष्य	योगा व्यावसायिक
प्रशिक्षित किए जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	10,000

इस प्रगतिरत परियोजना से एक वर्ष के दौरान योग इंस्ट्रक्टर और योगा प्रशिक्षकों की रोजगार संबंधी भूमिकाओं के लिए क्रमशः 4400 अभ्यर्थियों और 5600 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण मिलेगा।

12 घंटे के अनिवार्य अभिविन्यास के दौरान अभ्यर्थियों को स्वच्छता बनाए रखने, लैंगिक एवं आयु संबंधी सुग्राहिता, थकान और चोट लगने के खतरे को कम करने, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत विकास सहित साफ्ट कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम का विस्तार पूर्वोत्तर राज्यों सहित 20 से ज्यादा राज्यों तक करने का प्रस्ताव है।



माननीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, एमएसडीई सम्मानीय श्री रविशंकर के साथ पीएमकेवीवाई के योगा व्यावसायिकों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए

## विवो स्टिक्लस एंड ट्रेनिंग के सहयोग से चाय बागानों के लिए आरपीएल

क्षेत्र	चाय बागान (कृषि)
स्थान	पश्चिम बंगाल
लक्ष्य	युवा एवं महिलाएं
प्रशिक्षित	2000

इस आरपीएल परियोजना के अंतर्गत चाय बागान के 20000 कार्मिकों को अभिविन्यास प्रशिक्षण प्रदान किया गया था और 1889 को प्रमाण-पत्र दिया गया था। कार्मिकों को अपने आस-पास साफ-सफाई रखकर उचित स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया था जिसके कारण स्वच्छता और साफ-सफाई में अत्यधिक सुधार हुआ। अभ्यर्थियों को बैंकिंग प्रणाली और डिजिटल साक्षरता में भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

विवो स्टिक्लस एंड ट्रेनिंग द्वारा किए गए संघात मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार इस कार्यक्रम के उपरांत बैंकिंग प्रणालियों के जागरूकता स्तर में 39 प्रतिशत तक, व्यक्तिगत बचतों में 32 प्रतिशत तक डिजीटल लेन देन में 49 प्रतिशत तक सुधार आया। मद्यापान सेवन और काम पर से उपस्थित रहने के संबंध में भी अभ्यर्थियों के स्तर में बढ़ोत्तरी हुई।



अपना पीएमकेवीवाई प्रमाण-पत्र दिखाती चाय बागान की एक कार्मिक



डिजीटल साक्षरता में अभिविन्यास का एक स्नैप शॉट

## राजस्थान में कालीन बुनकर के लिए आरपीएल

क्षेत्र	शिल्पकला एवं कालीन
स्थान	राजस्थान
लक्ष्य	महिलाएं
प्रशिक्षित	5,000

एनएसडीसी ने गैर-लाभकारी संगठन और हाथ से बुने जाने वाले कालीनों के सबसे बड़े उत्पादक- जयपुर रग्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी करके इस क्षेत्र में इन दस्तकारों के कौशल, मूल्यांकन और प्रमाणन के लक्ष्य के साथ 5000 दस्तकारों को आरपीएल के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया।

इसमें चयनित सभी दस्तकार महिलाएं थीं। परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी-जेआरएफ वर्ष 2004 में अपने गठन से ही राजस्थान के आस-पास के विभिन्न गांवों में महिला कालीन बुनकरों के साथ कार्य करता रहा है। जेआरएफ महिला दस्तकारों की आर्थिक स्वतंत्रता को समर्थ बनाने में विश्वास रखता है ताकि उन्हें गरीबी का परिवार करने में समर्थ बनाया जा सके और वे अपने लिए एक बेहतर जीवन का निर्माण कर सकें। यह कार्यक्रम राजस्थान के 43 गांवों में 4 जिलों- अलवर, सीकर, जयपुर और दौसा जिलों में संचालित किया गया था। उन्हें नवाजे गए प्रणाम-पत्रों ने उन्हें कौशल संबंधी वह मान्यता दी है जिसकी उन्हें जरूरत है और वह ऐसी पहचान दी है जिस पर उन्हें गर्व हो सकता है।



राजस्थान की एक कालीन बुनकर

## सफलता की कहानी

प्रीति देवी

आयु 36 वर्ष आसपुरा गांव, राजस्थान

"मेरा नाम प्रीति देवी है और मैं जयपुर रग्स के साथ विगत 14 से 15 वर्षों से काम करती आ रही हूँ और इस कम्पनी की सहायता की वजह से ही मुझे आरपीएल प्रशिक्षण के बारे में पता चला जिसे पीएमकेवाई के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है यह प्रशिक्षण 9 दिनों (72 घंटे) से ज्यादा तक की अवधि तक चला, जिसके दौरान हमने ऐसे नए विविध कारों के बारे में जाना, जो हमारे काम के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण ने हमें हमारी पहचान ढूँढने के बारे में चेताया। हमने नगद विहिन लेन-देन कम्प्यूटर और इसके उपयोग, नेतृत्व संबंधी विशेषताओं, आपूर्ति श्रृंखला और समूह में काम करने के बारे में सीखा। शुरुआत में ऐसा लगा की ये विषय हमारे दैनिक वास्तविकता से बिल्कुल हटकर थे लेकिन इस प्रशिक्षण के जरिए हमें अनेक नई-नई चीजों के बारे में सीखने पर अत्यधिक खुशी हुई। इस प्रशिक्षण से हमने यह महसूस किया कि न केवल एक बुनकर के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में भी अपनी आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण में भाग लेने से पहले मैंने अपने घर से बाहर कभी कदम नहीं रखा था परंतु अब मैंने लोगों से आत्मविश्वास से बातचीत करनी शुरू कर दी है। मैंने अपने बारे में और अपने द्वारा किए जाने वाले काम एवं आरपीएल में प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान नई-नई बातें सीखने के सफर के बारे में भी बातचीत करनी शुरू कर दी है। भविष्य में इस प्रशिक्षण के बाद हम और ज्यादा कमाई कर सकेंगे।"



प्रीति देवी

## विशेष परियोजनाएं

युवा- एनएसडीसी और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त पहल

क्षेत्र	विविध
स्थान	दिल्ली
लक्ष्य	युवा (16 से 35 वर्ष का आयु समूह)
प्रशिक्षित	3,000

जेजे कलास्टर में ऐसे बहुत सारे युवा रहते हैं जिन्होंने अपनी पढाई बीच में छोड़ दी है, मादक पदार्थों का सेवन करते हैं अथवा छोटे-मोटे अपराधों में लगे रहते हैं। यह अनिवार्य है कि उनकी आजीविका को बढ़ाने वाले अवसर प्रदान करने के द्वारा उन्हें सशक्त बनाकर और मुख्य धारा में लाकर आने वाले बेहतर कल में उनकी आशा और विश्वास को जीवित किया जाए।

दिल्ली पुलिस ने विभिन्न विषयों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राजधानी में लगभग 3,000 ऐसे वाछित युवाओं की पहचान की है जो अपनी क्षमताओं को पूरा करने के लिए गली में घूमने वाले इन आवारा बच्चों और बेरोजगार युवाओं को अवसर प्रदान करने के प्रयास में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा दिल्ली पुलिस के सहयोग से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) स्कीम के अंतर्गत युवा परियोजना संचालित की जा रही है।

इस परियोजना के शुभारंभ समाज के कमजूर और संवेदनशील वर्गों को सशक्त बनाने हेतु किया गया है। कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ सॉफ्ट स्कील्स, वोकेशनल दक्षताओं, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी और अंग्रेजी भाषा बोलने पर फोकस रखा जाता है ताकि उनके आजीविका के अवसरों में बढ़ोतरी की जा सकें। आज की तारीख तक, युवा योजना ने 36 एनएसडीसी अनुमोदित प्रशिक्षण भागीदारों के जरिए 45 दक्षताओं में 2300 से ज्यादा अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है और हीरो मोटरकॉर्प, वोडाफोन, कैफे कॉफी डे, फॉर्टिस अस्पताल, बर्गर किंग, लेमन टी प्रिमयर, सोडक्सों इंडिया, कम्पास इंडिया सपोर्ट सर्विसज प्राईवेट लिमिटेड आदि में 400 अभ्यर्थियों की नौकरी लगवाई है।



डॉ हर्ष वर्धन, माननीय मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, जामा मस्जिद के उम्मीदवारों को पीएमकेवीवाई किट वितरित करते हुए,  
युवा विशेष परियोजना केन्द्र

## सफलता की कहानी

राहुल यादव (नाम परिवर्तित), एक 20 वर्षीय छात्र है जो पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड वाले ऐसे 10 व्यक्तियों में से एक था जिन्होंने अपनी आजीविका बदलने के लिए विकल्प दिया था। छोटी-मोटी चोरियों में शामिल होने के कारण कीर्ति नगर के पुलिस अधिकारियों ने उसे युवा परियोजना में प्रवेश लेने के लिए समझाया। उसने युवा प्रशिक्षण केंद्र, कीर्ति नगर पुलिस स्टेशन में कम्प्यूटर हार्डवेयर का कोर्स लिया जिसके दौरान वह मेधावी और भरोसेमंद छात्र के रूप में उभरा। अपना कोर्स सफलतापूर्वक करने के उपरांत उसका चयन एक सहायक अभियंता के रूप में स्टार इमेजिन और पैथ लेब प्राईवेट लिमिटेड द्वारा कर लिया गया। राहुल युवा पहल की सफलता का एक जीता जागता उदाहरण है और ऐसे अन्य लोगों के लिए एक प्रेरणा है की कैसे फर्श से अर्श तक पहुंचा जा सकता है।

खुशबू कुमारी जो कालंदी कॉलेज, दिल्ली की 19 वर्षीय स्नातक है, आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में फ्रंट डेस्क की नौकरी करना चाहती थी। तथापि, वह किसी भी संस्थान में अपना नाम लिखवाना वहन नहीं कर सकती थी। अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए उसने अपना नामांकन फ्रंट डेस्क के सहायक पाठ्यक्रम में निःशुल्क कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान उसने बातचीत संबंधी और पेशेवर रूप से व्यवहार करना सिखा जिसकी वजह से उसका 16,000 रुपए के शुरूआती मासिक वेतन पर फॉर्टिस एस्कॉर्ट अस्पताल, ओखला में चयन हो गया। वह पीएमकेवीवाई, दिल्ली पुलिस और एसपीआईके फेसिलिटेटर आईएसीटी एजुकेशन की अत्यंत आभारी है क्योंकि ये उनके संयुक्त प्रयास ही थे जिनसे उसके जीवन में अत्यधिक परिवर्तन आया।

रंजना, एक 21 वर्षीय दो लड़कियों की सिंगल मां है जो चूना भट्टी, कीर्ति नगर में रहती है और उसका विवाह 15 वर्ष की अल्प आयु में कर दिया गया था। हत्या के मामले में उनके पति के जेल जाने के उपरांत वित्तीय समस्या और परिवार से सहायता न मिलने के कारण उन्होंने आस-पास के घरों में नौकरानी के रूप में काम करना शुरू कर दिया, तथापि उससे प्राप्त होने वाली आय उसकी लड़कियों के लालन-पालन और शिक्षा दीक्षा के लिए काफी नहीं थी। जब उसने युवा पहल के बारे में सुना तो उसने अपना नाम फ्रंट डेस्क कार्यालय सहायक पाठ्यक्रम में लिखवा लिया जिसे करने के उपरांत उसकी नौकरी 11,500 रुपए के शुरूआती मासिक वेतन पर स्टार इमेजिंग और पैथ लैब प्रा.लि., तिलकनगर में रोगी परिचर्या सहायक के रूप में लग गई। अपनी लड़कियों को बेहतर जीवन देने हेतु उसके प्रयासों को माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा युवा कार्यक्रम की शुरूआत के दौरान भी सराहा गया है।



युवा प्रशिक्षण सत्र

शाजिया, (नाम परिवर्तित) एक 29 वर्षीय लड़की है और बलात्कार की शिकार है। उसकी शादी 2014 में हुई थी लेकिन उसके पत्नी के भाई ने एक वर्ष पहले उसके साथ बलात्कार किया। बलात्कार का मामला वापस लेने से इंकार करने पर उसके पति और ससुराल वालों ने उसे छोड़ दिया। वह कडकड डूमा कोर्ट में अपने हरेक सुनवाई पर जाती है। मुकदमे की पैरवी करने के लिए जामा मर्सिजद पुलिस स्टेशन जाते समय एक बार एक पुलिस वाले ने उसे कौशल कार्यक्रम के बारे में बताया। उसने खुदरा विक्री प्रबंधन पाठ्यक्रम ने अपना नाम लिखवा लिया और उसे अब आशा है कि वह अपने परिवार की वित्तीय रूप से मदद कर सकेंगी।

### स्मार्ट ग्राम

राष्ट्रपति भवन ने हरियाणा में 5 गांवों को गोद लिया है जिन्हें मॉडल स्मार्ट ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इन गांवों को प्रशिक्षण केंद्र खोलने के लिए हरियाणा सरकार के सहयोग से अभिज्ञात किया गया है। एनएसडीसी अपने अभिज्ञात साझेदारों के जरिए इन गांवों में एनएसक्यूएफ के अनुरूप पाठ्यक्रमों प्रशिक्षण हेतु उत्तरदायी होंगा।



पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

एक स्मार्ट ग्राम एक ऐसा उच्च प्रौद्योगिकी युक्त खुशनुमा गांव है जो जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है और इसका समर्धन करता है जिससे सभी ग्राम निवासियों में सौहार्दता, खुशिया और आरोग्यता आती है। इसमें अपेक्षित मूलभूत भौतिकीय और सामाजिक अवसरंचना होगी जिसमें गवर्नेंस और सेवा प्रदानगी, आजीविका एवं आर्थिक अवसरों के उन्नयन हेतु अवसंरचना में निहित स्मार्ट सूचना तथा संप्रेशन के स्तर होंगे। एक ऐसा सतत और समावेशी विकास मॉडल बनाने पर फोकस किया जाएगा जिसकी सहजतापूर्वक प्रतिकृति की जा सके। यह मॉडल केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जिला प्रशासन, पंचायतीय राज संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, निजी क्षेत्र के उद्यमों और ग्रामवासियों के संसाधनों तथा प्रयासों के समाभिलेपण पर आधारित है। ग्रामवासियों को हुनरमंद बनाने से न केवल काम की उपलब्धियों में अपितु ग्रामवासियों, मुख्यतः महिलाओं को रोजगार दिलाने में भी तेजी आएगी।

स्मार्ट ग्राम का मुख्य एजेंडा कौशल कार्यक्रम के नाते एमएसडी और एनएसडीसी ने स्थानीय रूप से मांग वाले प्रमुख कौशलों में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु नवम्बर, 2016 में इन पांच गांवों में छह केंद्र शुरू किए। इन कौशलों में सिलाई, बागवानी, सामान्य ड्यूटी सहायक, एमब्राइडरी, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, शस्त्र रहित गार्ड, डॉमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर, और सौर पैनल लगाने वाले तकनीशियन शामिल हैं। हरियाणा राज्य में ज्यादा से ज्यादा गांवों को गोद लिया जाएगा ताकि अंततः स्मार्ट ग्राम पहल का प्रचार प्रसार किया जा सके।

## किशोर न्याय बोर्ड (जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड)

ऐसे समय में जब राजधानी किशोरों द्वारा किए जाने वाले अपराधों की रोकथाम हेतु भरसक प्रयास कर रही है तो युवाओं को प्रशिक्षित करना और सुग्राही बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा हो जाता है ताकि उनकी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक दिशा में किया जा सके और इससे भी बढ़कर वे देश के बेहतर नागरिक बन सकें। ऐसे प्रशिक्षण से अभ्यर्थियों को अपने परिवार के लिए आजीविका कमाने तथा अपराध के लिए पकड़े जाने वाले किशोरों की अपराध दर को कम करने में मदद मिल सकती है। संबंधी प्रायोगिक परियोजनाओं को मजनून का टीला स्थित जुवेनाइल परिसर में शुरू किया गया था और प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने और अभ्यर्थियों की नौकरी लगने के उपरांत इसका विस्तार सेवा कुटीर के जुवेनाइल परिसर, निर्मल छाया और अलीपुर स्थित निगरानी गृह में किया गया था।

### सफलता की कहानी

रोहित (बदला हुआ नाम) 19 वर्ष का है और केवल दसवीं कक्षा तक पढ़ा है। वह हमेशा से यह चाहता था कि वह आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में काम करे क्योंकि इस पेशे में उसे ऐसा लगता था कि हर दिन एक नया दिन है तथा आप नित नए लोगों से मिलते हो। उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा कौशल प्रशिक्षण के बारे में बताया गया और उसने एफ एवं बी सेवा स्टी वार्ड संबंधी नौकरी के लिए अपना नामांकन करवा लिया।

उसने बताया, ”मैं बेकार लड़का था और घर पर खाली पड़ा रहता था। मेरे पिताजी एक दिहाड़ी मजदूर है और वे मुश्किल से 5,200 रुपए प्रतिमाह कमा पाते हैं। मेरे परिवार में 8 सदस्य हैं जो मेरे पिता की आय पर निर्भर रहते हैं। वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं थे इसलिए मुझे दसवीं के बाद अपनी पढाई छोड़नी पड़ी लेकिन इस प्रशिक्षण के उपरांत मेरे जीवन में नए मायने आ गए और मैंने अपने परिवार में होने वाले व्यय में योगदान करना शुरू कर दिया।” इस प्रशिक्षण के दौरान उसने उद्योग के बारे में सीखा अपनी कौशलताओं को बढ़ाया तथा अपनी अंतरव्यक्तिगत दक्षताओं के विकास किया। आज वह 11,000 रुपए प्रतिमाह कमाता है।

दिलीप (नाम परिवर्तित) १७ साल का है और इसने केवल ट्वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। अपने परिवार में वित्तीय कठानाई आने के कारण वह आगे पढ़ाई नहीं कर सका और न ही उसे आतिथ्य सत्कार क्षेत्र में नौकरी करने के लिए अपने सपने को साकार करने की आशा थी। लेकिन जैसे ही उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड से पीएमकेवीवाई के अंतर्गत हॉटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के बारे में पता चला, अगले ही पल उसने अपना नामांकन उसमें करवा लिया। वह बताता है, ”अपने परिवार से वित्तीय सहायता न मिलने की वजह से मैं अपनी इच्छा अनुसार काम नहीं कर सका। इस प्रशिक्षण का विकल्प चुनना सुधार गृह में अपनी अवधि को पूरा करने का सर्वोत्तम तरीका था जहां कुछ ऐसी चीज सीखी जो मेरे भावी विकास में मददगार होगी।”

इस पाठ्यक्रम से उसे अपनी खुबियों और खामियों के बारे में तथा यह विश्लेषण करने में मदद मिली की वह एक अच्छा आदमी कैसे बन सकता है। अपना प्रशिक्षण पूरा करने के उपरांत उसे एक प्रतिष्ठित नौकरी मिली और उसने अपने जीवन की नई शुरूआत की।



प्रगतिरत प्रशिक्षण का एक चित्र

## पूर्वोत्तर के लिए विशेष परियोजनाएं

### ब्रू जनजाति

त्रिपुरा में ब्रू जनजाति के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया यह कौशल विकास कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवाई) के विशेष परियोजना घटक के प्रायोगिक चरण के अध्यधिन है।

एनएसडीसी ने अपने प्रशिक्षण साझेदार- वेल्यूवर फैब्रेटेक्स प्रा.लि. के साथ विभिन्न रोजगारपूरक भूमिकाओं में कौशल प्रशिक्षण आयोजित किया है और इसके द्वितीय रोजगार अभियान में 87 महिलाओं की नौकरी अग्रणी नीटिंग-गार्मेंट उत्पादन कम्पनी- कॉटम निट्स, जो केपीआर लिमिटेड, कोयम्बटूर की एक इकाई है, में सुनिश्चित की है। पहले प्रथम रोजगार अभियान के दौरान इस जनजाति 120 दक्ष महिला अभ्यर्थियों को इसी संगठन द्वारा रोजगार प्रदान किया गया था।



अमेजॉन का मेरी सहेली कार्यक्रम

### ब्रू जनजाति महिलाओं के लिए प्रगतिरत प्रशिक्षण

एनएसडीसी ने अमेजॉन के मेरी सहेली कार्यक्रम और नागालैंड राज्य सरकार के साथ भागीदारी करके एक द्वि-दिवसीय गहन कार्यशाला का आयोजन किया ताकि युवा महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके और उनके उत्पादों को ऑन-लाइन बेचने में आने वाली कठिनाई को समझने में उनकी सहायता की जा सके तथा सफल ऑन लाइन व्यापार के विकास को पोषित करने के लिए अपेक्षित दक्षताओं का विकास किया जा सके।

द्वि-दिवसीय कार्यशाला के दौरान ४० स्थानीय महिला उद्यमियों ने ब्रॉडींग, केटेलॉक, उत्पाद की छवियों, सजृन निर्माण, सामान सूची और लेखा प्रबंधन आदि के बारे में सीखा। इस कार्यशाला के पूरा होने के उपरांत उद्यमियों को Amazon.in पर उनकी खुद की ई-शॉप खोलने में प्रशिक्षित किया गया। बिक्री हेतु उपलब्ध कुछ ब्रांड हैरीटेज पब्लिशिंग हाउस, नॉर्थ-ईस्ट नेटवर्क (कार्डिजामी), प्रिसियस मी ल, नागाकी रिटेल आदि हैं।



परियोजना के स्नेपशॉट



## शब्दकोष

MSDE	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
NSDC	राष्ट्रीय कौशल विकास निगम
PMKVY	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
STT	अल्पावधिक प्रशिक्षण
RPL	पूर्व जानकारी को महत्व देना
PMKK	प्रधानमंत्री कौशल केंद्र
TP	प्रशिक्षण साझेदार
TC	प्रशिक्षण केंद्र
NSQF	राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क
SSC	क्षेत्र संबंधी कौशल परिषद
NOS	राष्ट्रीय व्यवसायिक मानक
QP	अर्हता पैक
SMART	कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन
SDMS	कौशल विकास प्रबंधन प्रणाली
IISC	भारतीय अंतर्राष्ट्रीय कौशल
MoU	समझौता ज्ञापन
DDUGKY	दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना
MoRD	ग्रामीण विकास मंत्रालय
AEBAS	आधार आधारित बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली
IMC	आंतरिक अनुवेक्षण समिति
UID	विलेक्षण पहचान
PIA	परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी
JRF	जयपुर रग्स फाउंडेशन
IT	सूचना प्रौद्योगिकी
NAPS	राष्ट्रीय अप्रैटिसशिप संवर्धन स्कीम
CSSM	केंद्रीय प्रायोजित राज्य द्वारा प्रबंधित
PAC	प्रस्ताव अनुमोदन समिति
UT	संघ राज्य क्षेत्र







Transforming the skill landscape

National Skill Development Corporation  
301, West Wing, Worldmark-1, Aero City, New Delhi - 110 037  
T: +011-47451600-10 | F: +91-11-46560417 | W: [www.nsdcindia.org](http://www.nsdcindia.org)

